महत्वपूर्ण एवं खास

बीजेपी के झूठे वादों से अब उनके सहयोगी दल भी हो रहे दूर

लखनऊ (आरएनएस)। लखनऊ में बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान योगी सरकार के एक साल पूरे होने पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि अभी बीजेपी के सहयोगी दल आवाज उठा रहे हैं, धीरे-धीरे बीजेपी के विधायक और मंत्री भी मुंह खोलेंगे. मायावती ने कहा कि प्रदेश की जनता योगी सरकार से काफी नाराज दिख रही है. यहि वजह है कि गोरखपुर-फूलपुर में बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा. बीएसपी सुप्रीमो ने आरोप लगाते हुए कहा कि शहरी निकाय चुनाव में भी मुख्यमंत्री योगी अपने मठ की सीट हार गए थे, क्योंकि वह सर्वसमाज में जनहित के रोजमर्रा के कार्यो में समय देने के बजाए धार्मिक कर्मकांडों में अपना समय देते रहे हैं. बीजेपी द्वारा धन की कमी को प्रदेश के विकास में रोड़ा बताने पर मायावती ने पीएम और सीएम योगी को आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता से वादा किया था कि उनकी केंद्र सरकार प्रदेश में पैसे की कमी नहीं होने देगी, अब विकास के काम नहीं कर पा रहे तो कह रहें हैं हमारे पास धन नहीं है. इससे पता चलता है कि बीजेपी के लोग चुनाव में कहते कुछ हैं और जीत के बाद करते कुछ. बसपा सुप्रीमो ने बीजेपी को इस तरह के जबरदस्ती के आयोजनों से बचने और हार पर आत्मचिंतन करने की सलाह दी. बता दें कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने आज अपना एक साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है. सीएम योगी आदित्यनाथ का दावा है कि इस दौरान उसने समाज के हर क्षेत्र में ढांचागत बदलाव के साथ ही कई ऐतिहासिक सुधार किए. इनका असर आने वाले समय में मिलेगा.

भारत ने पाक उप-उच्चायुक्त को किया तलब

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत ने पांच निर्दोष नागरिकों के मारे जाने पर पाकिस्तान के उप उच्चायुक्त सैयद हैदर शाह को तलब किया. पाकिस्तानी सेना की ओर से जम्मू कश्मीर में भारतीय क्षेत्र में बिना उकसावे की गोलीबारी के लिए भारत ने गहरा विरोध जताया. विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, पाकिस्तान के उप उच्चायुक्त सैयद हैदर शाह को सोमवार को तलब किया गया और उनके समक्ष अग्रिम सीमा से दो किलोमीटर दूर निर्दोष भारतीय नागरिकों को उच्च क्षमता के हथियारों से निशाना बनाये जाने पर गहरा ऐतराज व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत निंदनीय बताया. पाकिस्तान के उप उच्चायुक्त से कहा गया कि ऐसा जघन्य कार्य स्थापित मानवीय मूल्यों एवं पेशेवर सैन्य आचार के खिलाफ है. विदेश मंत्रालय के अनुसार, पाकिस्तानी प्राधिकार से कहा गया है कि वह ऐसे जघन्य कार्यों की जांच करे और सैन्य बलों से तत्काल इस तरह के कार्यों को छोड़ने को कहे.मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे की गोलीबारी एवं नियंत्रण रेखा एवं अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन के बारे में चिंताओं को हम लगातार साझा करते हैं. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, साल 2018 में अब तक नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान सैन्य बलों की ओर से 560 बार ऐसे संघर्ष विराम का उल्लंघन किया जा चुका है जिसमें 23 भारतीय नागरिकों की मौत हुई है और 70 अन्य घायल हुए हैं.बयान के अनुसार, पाकिस्तानी पक्ष से यह भी कहा गया कि वह सीमापार से गोलीबारी की आड़ में आंतकवादियों की घुसपैठ कराने से भी बाज़ आए.

शत्रुघ्न सिन्हा ने गढ़े कांग्रेस नेताओं की शान में कसीदे

नई दिल्ली (आरएनएस)। काफी वक्त से अपनी पार्टी से नाराज चल रहे बीजेपी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कांग्रेस नेताओं की जमकर तारीफ की है। सिन्हा ने रविवार को एक के बाद एक कुल 4 ट्वीट किए जिनमें बीजेपी के लिए आगे कठिन वक्त की भविष्यवाणी थी तो दूसरी तरफ कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी समेत कांग्रेसी दिग्गजों की शान में कसीदे थीं। बिहारी बाबू ने ट्वीट कर बीजेपी को सलाह दी कि आने वाला वक्त उसके लिए काफी उथल-पुथल भरा रहने वाला है, लिहाजा वह उसके लिए तैयार रहे। सिन्हा ने लिखा कि इस बात की पहले ही भविष्यवाणी कर चुके थे कि मार्च में संसद नहीं चलेगी। बीजेपी के शत्रु ने अपनी पार्टी को आगाह करते हुए लिखा कि संसद सत्र को अपने ही लोगों द्वारा बाधित करने के साथ ही हम पर मुश्किल दिनों का साया पड़ चुका है। सिन्हा ने लिखा कि बहुत लोगों को लगता है कि यह मौजूदा लोकसभा का संभवतः आखिरी सत्र है लेकिन मेरी दुआ है कि यह अपना कार्यकाल पूरा करे। बीजेपी के लिए मुश्किल परिस्थितियों का जिक्र करते हुए सिन्हा ने कांग्रेस नेताओं की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि किसानों के मुद्दे, नोटबंदी के दुष्परिणाम, जटिल जीएसटी और सीलिंग जैसे मुद्दों के साथ-साथ कांग्रेस के नए-नए अध्यक्ष बने राहुल गांधी का नया अवतार विपक्ष के लिए काफी फायदेमंद है। बिहारी बाबू सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह, मल्लिकार्जुन खड़गे, पी. चिदंबरम, रणदीप सुरजेवाला, नवजोत सिंह सिद्धू जैसे कांग्रेस नेताओं की नेतृत्व क्षमता के कायल दिखे।

टेस्ट सीरीज के बाकी मैचों के लिए द. अफ्रीका टीम में ओलिवर, मौरिस

केपटाउन (आरएनएस)। आस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के बाकी बचे दो मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम में डुआन ओलिवर और क्रिस मौरिस को शामिल किया गया है। वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, चार टेस्ट मैचों की सीरीज के अंतिम दो मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में डेल स्टेन को शामिल नहीं किया गया है। दक्षिण अफ्रीका के चयनकर्ताओं के संयोजक लिंडा जोंडी ने कहा, परिस्थितियों के कारण इस स्तर पर हमें बड़ी टीम का चयन करना पड़ा है, ताकि हम टीम में होने वाली सारी कमियों को पूरा कर सकें। जोंडी ने कहा, हमने पोर्ट एलिजाबेथ में शानदार प्रदर्शन करने वाले 15 खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ अभ्यास मैच में अच्छा प्रदर्शन करने वाले दक्षिण अफ्रीका-ए टीम के खिलाड़ी ओलिवर को और घरेलू क्रिकेट में शानदार खेल रहे मौरिस को टीम में शामिल किया है। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगीसो रबाडा द्वारा उनके खिलाफ आईसीसी के नियमों के उल्लंघन के आरोपों पर की गई अपील का फैसला अभी तक आया नहीं है। ऐसे में बाकी बचे दो टेस्ट मैचों में उनकी भागीदारी पर संदेह है। इस संदेह के तहत रबाडा के स्थान पर मोर्ने मोर्केल को टीम में शामिल किया जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मैच 22 मार्च से केपटाउन में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज का स्कोर 1-1 से बराबर है।

हार के लिए खुद को जिम्मेदार मान रहे रुबेल हुसैन, फैंस से मांगी माफी

ढाका (आरएनएस)। निदाहास ट्रोफी के फाइनल मैच में भारत ने बांग्लादेश को हराकर कप अपने नाम किया। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन इस मैच में टीम को मिली हार का जिम्मेदार खुद को मान रहे हैं, इस वजह से पूरी रात उन्हें नींद तक नहीं आई। बता दें कि भारत ने बांग्लादेश को चार विकेट से हरा दिया था। इस मैच में रुबेल ने 19वां ओवर फेंका था, जिसमें भारत ने 22 रन जुटाए। रुबेल का मानना है कि उनके उसी ओवर ने टीम को मैच हरवा दिया।बांग्लादेश माचार पत्र 'प्रोथोम आलो'को दिए एक बयान में रुबेल ने कहा, 'मैं इस हार के बाद बेहद खराब महसूस कर रहा हूं। मैंने नहीं सोचा था कि इस हार का कारण मैं बनूंगा। हम फाइनल में जीत के इतने करीब थे, लेकिन मेरी वजह से हम मैच हार गए। मैं प्रशंसकों से इस हार की माफी चाहता हूं।'इससे पहले बांग्लादेशी कप्तान शाकिब अल हसन ने नतीजे पर निराशा तो जतायी लेकिन साथ ही कहा कि इस मुकाबले को शानदार भी बताया। शाकिब ने यह भी कहा कि वह हार के लिए पछताना नहीं चाहते और अगर इस मैच जैसी स्थिति दोबारा आती है तो वह एक बार फिर रूबेल हुसैन को 19वां ओवर देंगे। बांग्लादेशी कप्तान ने कहा कि इस मैच में कोई भी जीत सकता था, लेकिन जीत का श्रेय भारतीय टीम, विशेषकर दिनेश कार्तिक को जाता है। उन्होंने संयम बनाए रखा। विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक (29 रन, 8 गेंद, 2 चौके, 3 छक्के) की शानदार पारी के दम पर भारत ने बांग्लादेश से मिले 167 रनों के लक्ष्य को हासिल कर निदाहास ट्रोफी अपने नाम की। भारत 18वें ओवर की समाप्ति तक पांच विकेट पर केवल 133 रन बना पाया था, तब कार्तिक बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने रुबेल की गेंदों पर दो छक्के और एक चौका जड़ा था। इसके बाद 19वें ओवर की अगली तीन गेंदों पर कार्तिक ने छह रन हासिल किए। इसके बाद भारत को आखिरी ओवर में 12 रनों की जरूरत थी। पांच गेंदों के समाप्त होने के बाद आखिरी गेंद दोनों टीमों के लिए रोमांचक हो गई।

मियांदाद से बेहतर था कार्तिक का सिक्स

नई दिल्ली, (आरएनएस)। निदाहास ट्रोफी के फाइनल में भारतीय बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने सौम्य सरकार की गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत दिला दी। भारत को आखिरी गेंद पर जीत के लिए 5 रन चाहिए थे लेकिन कार्तिक ने कवर्स के ऊपर से छक्का लगाकर टीम को अविश्वसनीय सी लगने वाली जीत दिला दी। कई लोगों को इसे देखकर शारजाह में खेले गए उस मैच की याद ताजा हो गई होगी जिसमें जावेद मियांदाद ने चेतन शर्मा की गेंद पर लगाया था। ऐसा होना कोई हैरानी की बात भी नहीं है। क्रिकेट के इतिहास में ऐसे दो ही मौके आए हैं जब आखिरी गेंद पर सिक्स लगाकर किसी टीम ने कोई खिताब जीता हो। पहली दफा 1986 में शारजाह में भारत को मायूस होना पड़ा था जब चेतन शर्मा की गेंद को जावेद मियांदाद ने सिक्स लगाकर पाकिस्तान को ऑस्ट्रलेशिया कप दिला दिया था। 32 साल बाद दिनेश कार्तिक ने वही कारनामा भारत के लिए किया जब उन्होंने बांग्लादेश के सौम्य सरकार की गेंद को बाउंड्री के बाहर उड़ाकर भारत को निदहास ट्रोफी दिलाई। वर्ल्ड कप क्रिकेट इतिहास में पहली हैटट्रिक लेने वाले चेतन ने बातचीत में कार्तिक के सिक्स को मियांदाद के सिक्स पर तरजीह देते हुए कहा, कार्तिक का सिक्स ज्यादा बेहतर था। किस मायने में बेहतर/ इस सवाल पर चेतन ने कहा, मियांदाद ने मेरी गेंद पर मिडविकेट पर सिक्स लगाया था जबकि डीके ने कवर्स के ऊपर से मारा। इतने दबाव में कवर्स पर सिक्स लगाना आसान नहीं होता।चेतन ने अपनी उस गेंद को याद करते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियों में बोलर हमेशा यॉर्कर लेंग्थ की गेंद डालने की कोशिश करता है लेकिन सही तरीके से न पड़ने पर उसका खामियाजा भुगतना पड़ता है।

मिस्बाह के सम्मान में शाहिद अफरीदी ने नहीं मनाया जश्न, जमकर हुई तारीफ

नई दिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तानी खिलाड़ी शाहिद अफरीदी का हर अंदाज उनके फैंस को पसंद आता है। क्रिकेट के मैदान समेत बाहर भी उनके बर्ताव की तारीफ होती ही है। एक ऐसा ही मौका पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के मुकाबले के दौरान भी आया। वहां शाहिद ने ऐसा काम किया जिसके लिए सोशल मीडिया पर उनकी जमकर तारीफ की जा रही है। शाहिद की टीम कराची किंग्स और इस्लामाबाद युनाइटेड के बीच मुकाबला खेला जा रहा था। शाहिद के हाथ में बॉल थी और उनके सामने मिस्बाह उल हक (पाकिस्तानी टीम के पूर्व कैप्टन) थे। शाहिद ने बॉल डाली और मिस्बाह बोल्ड हो गए। विकेट बड़ी थी, शाहिद ने जश्न मनाने के लिए हाथ भी उठा लिए थे, लेकिन फिर अचानक वह रुक गए और शांत हो गए। मानों उन्हें एहसास हुआ हो कि आउट होनेवाला कोई और नहीं उनके ही पूर्व कैप्टन हैं। फिर शाहिद ने अपने दोनों हाथों को नीचे किया और बड़ी ही शांति से अपनी बाकी टीम के पास जाकर खड़े हो गए। मैच देख रहे लोगों को समझ आ गया था कि शाहिद ने ऐसा मिस्बाह के आदर में किया है। फिर सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा होने लगी। इस मुकाबले में शाहिद की टीम ने जीत दर्ज की थी। हालांकि अगले मुकाबले में शाहिद भी कराची को हार से नहीं बचा पाए थे। फिलहाल इस्लामाबाद युनाइटेड टूर्नमेंट के फाइनल में पहुंच चुकी है। वहीं कराची को टिकट पक्की करने के लिए मेहनत करनी होगी। पहले एलिमिनेटर मैच (पेशावर जालमी और क्वेटा ग्लेडियेटर्स) में जीत दर्ज करने वाले के साथ कराची का मुकाबला होगा।

सेंसेक्स में 74 अंकों की गिरावट

मुंबई (आरएनएस)। देश के शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 73.64 अंकों की तेजी के साथ 32,996.76 पर और निफ्टी 30.10 अंकों की तेजी के साथ 10,124.35 पर बंद हुआ। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सुबह 46.64 अंकों की गिरावट के साथ 32,876.48 पर खुला और 73.64 अंकों या 0.22 फीसदी तेजी के साथ 32,996.76 पर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार में सेंसेक्स ने 33,102.74 के ऊपरी और 32,810.86 के निचले स्तर को छुआ। बीएसई के मिडकैप सूचकांक और स्मॉलकैप सूचकांक में मिला-जुला रुख रहा। मिडकैप सूचकांक 32.83 अंकों की तेजी के साथ 15,995.82 पर और स्मॉलकैप सूचकांक 36.41 अंकों की गिरावट के साथ 17,191.97 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी सुबह 42.7 अंकों की गिरावट के साथ 10,051.55 पर खुला और 30.10 अंकों या 0.30 फीसदी तेजी के साथ 10,124.35 पर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार में निफ्टी ने 10,155.65 के ऊपरी और 10,049.10 के निचले स्तर को छुआ। बीएसई के 19 में से 11 सेक्टरों में तेजी रही। तेजी वाले सेक्टरों में सूचना प्रौद्योगिकी (1.29 फीसदी), प्रौद्योगिकी (1.18 फीसदी), दूरसंचार (0.64 फीसदी), वाहन (0.49 फीसदी) और बिजली (0.45 फीसदी) शामिल हैं। सर्वाधिक गिरावट वाले सेक्टरों में तेल और गैस (0.84 फीसदी), ऊर्जा (0.66 फीसदी), धातु (0.45 फीसदी), बैंकिंग सेवाएं (0.42 फीसदी), उपभोक्ता सेवाएं (0.18 फीसदी) शामिल रहे।

1 अप्रैल से महंगे हो जाएंगे इस कंपनी के वाहन

मुंबई (आरएनएस)। ऑटोमोबाइल क्षेत्र की अग्रणी कंपनी टाटा मोटर्स ने मंगलवार को कहा कि लागत खर्च बढने के कारण वह अपने सभी यात्री वाहनों की कीमतों में 60,000 रुपये तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी के मुताबिक, नई कीमतें एक अप्रैल 2018 से लागू होंगी। टाटा मोटर्स के पेसैंजर व्हीकल्स बिजनेस के अध्यक्ष मयंक प्रतीक ने कहा, लागत में बढ़ोतरी, बदलते बाजार और विविध आर्थिक कारकों के चलते हमें कीमतें बढ़ाने पर विचार करने को बाध्य होना पड़ा, लेकिन हमें आशा है कि हम टियागो, हेक्सा, टिगोर और नेक्सन जैसे बेहतरीन उत्पादों के बल पर हम आने वाले समय में अपने विकास के लक्ष्य को बनाए रखेंगे।

कमजोर शुरुआत, सेंसेक्स 47 अंक गिरकर,निफ्टी 43 अंक गिरकर खुला

नई दिल्ली (आरएनएस)। घरेलू बाजारों की कमजोरी के साथ शुरुआत हुई है. शुरुआती कारोबार में निफ्टी ने 10,049.1 तक गोता लगाया जबकि सेंसेक्स 32,811 तक लुढ़क गया. सेंसेक्स और निफ्टी में 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं. सेंसेक्स 47 अंक गिरकर 32,867 के स्तर पर खुला. वहीं, निफ्टी की शुरुआत 43 अंक की गिरावट के साथ 10,052 के स्तर पर हुई. शुरुआती कारोबार में मेटल शेयरों में भारी गिरावट दिख रही है. सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में नजर आ रहे हैं. हालांकि, गिरावट के बाद थोड़ी रिकवरी जरूर देखने को मिली है. मिडकैप-स्मॉलकैप में दबाव मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी दबाव नजर आ रहा है. बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.5 फीसदी गिरा है, जबकि निफ्टी के मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है. बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 0.6 फीसदी लुढ़का है.मेटल और फार्मा इंडेक्स टूटे मेटल, फार्मा, बैंकिंग, रियल्टी, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और पावर शेयरों में बिकवाली का दबाव नजर आ रहा है. बैंक निफ्टी 0.25 फीसदी गिरकर 24,180 के स्तर पर कारोबार कर रहा है. निफ्टी के मेटल इंडेक्स में 1.5 फीसदी और फार्मा इंडेक्स में 1.25 फीसदी की कमजोरी देखने को मिल रही है.दिग्गजों में गिरावट दिग्गज शेयरों में वेदांता, सिप्ला, अरविंदो फार्मा, भारती एयरटेल, यस बैंक, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक और इंडसइंड बैंक 6.4-1 फीसदी तक गिरे हैं. हालांकि, दिग्गज शेयरों में अदानी पोर्ट्स, भारती इंफ्राटेल, इंडियाबुल्स हाउसिंग, इंफोसिस, बॉश, बजाज ऑटो, हीरो मोटो और एचडीएफसी 1.2-0.3 फीसदी तक बढ़े हैं. मिडकैप शेयरों में केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक, आईडीबीआई बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और जीई टीएंडडी 4.1-2.5 फीसदी तक लुढ़के हैं. हालांकि मिडकैप शेयरों में वक्रांगी, मैक्स फाइनेंशियल, पेट्रोनेट एलएनजी और मैरिको 3.7-0.8 फीसदी तक चढ़े हैं.

देसी एयरलाइंस के विमानों में तकनीकी खराबी का दौर, फ्लाइट्स पर असर

मुंबई , (आरएनएस)। भारतीय एयरलाइंस के लिए मुश्किलों का दौर खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा। जहां एक तरफ ए320 नियो विमानों में पीएण्डब्ल्यू के कमियों वाले इंजनों के चलते सस्ती विमान सेवा कंपनियों के 14 विमानों के उड़ान भरने पर रोक लगी हुई है, वहीं एयर इंडिया, जेट एयरवेज और स्पाइसजेट के विमानों में भी पिछले दो दिन में 8 तकनीकी खराबी के मामले सामने आए हैं।सूत्रों के अनुसार शनिवार को मुंबई के लिए उड़ान भरने से पहले जेट एयरवेज के एक बी-737 विमान का पहिया खराब पाया गया और जब तक इसे ठीक नहीं कर लिया गया यह उड़ान नहीं भर सका। वहीं कंपनी की मुंबई से दोहा की उड़ान वापस लौट आई क्योंकि उसके एयरबस ए330 के दूसरे इंजन में कंपन महसूस किया गया। मुंबई से ही चेन्नै की उड़ान भरने वाले प्लेन को भी तकनीकी खराबी के कारण लौटना पड़ा। इससे 17 मार्च को भी जेट एयरवेज की मुंबई-जयपुर फ्लाइट भी अपनी वापसी की यात्रा को अगले दिन पूरा कर पाई। सूत्रों के अनुसार स्पाइसजेट के पटना से हैदराबाद आए एक विमान के पहिए और ब्रेक में हैदराबाद हवाई अड्डे पर उतरने के बाद खराबी पाई गई। वहीं इसकी बेंगलुरु-हैदराबाद फ्लाइट के इंजन में कंपन और बेंगलुरु-दिल्ली की एक उड़ान में एसी में तकनीकी खराबी की शिकायत दर्ज की गई। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने इंजन में कंपन की घटना से इनकार किया है और पहिए की समस्या को भी मामूली बताया जिसे थोड़ी ही देर में ठीक कर लिया गया। इसके अलावा रविवार को एयर इंडिया के चेन्नै से पोर्ट ब्लेयर और गुवाहाटी से इम्फाल जाने वाले 2 ए-321 विमानों में भी तकनीकी खराबी की शिकायत दर्ज की गई। हालांकि एयर इंडिया की ओर से इस संबंध में कोई कॉमेंट नहीं मिल सका है।

भारत को होगा जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा नुकसान

लंदन ,(आरएनएस)। जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा खतरा भारत को है। उसके बाद पाकिस्तान, फिलिपींस और बांग्लादेश का नंबर आता है। ग्लोबल बैंक एचएसबीसी ने जलवायु परिवर्तन से होनेवाले नुकसान की चपेट में आनेवाले देशों की लिस्ट जारी की है। एचएसबीसी का मुख्यालय लंदन में है। बैंक ने क्लाइमेट चेंज के प्रति 67 विकसित, उभरते और सीमावर्ती देशों के संभावित नुकसान का आकलन किया। इसके लिए क्लाइमेट चेंज के भौतिक प्रभावों, मौसम में बदलाव से हुई बड़ी घटनाओं की संवेदनशीलता, ऊर्जा संक्रमण के जोखिमों का खतरा और जलवायु परिवर्तन के प्रति कदम उठाने की क्षमता को मानदंड बनाए गए। इन 67 में से दुनिया के करीब एक तिहाई देश, 80 प्रतिशत आबादी और 94 प्रतिशत वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद शामिल है। एचएसबीसी ने रैंकिंग तैयार करने के लिए हरेक क्षेत्र में इन देशों के आकड़ों का औसत निकाला। इसके मुताबिक, कुछ देशों के सामने कुछ खास क्षेत्रों में काफी खतरा है जबकि अन्य देशों के सामने उन खास क्षेत्रों में कम खतरा है। एचएसबीसी के आकलन में जिन चार देशों के सामने सबसे बड़ा खतरा है, उनमें भारत का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण खेती से आय घट सकती है, खासकर असिंचित क्षेत्रों में जो तापमान बढ़ने और बारिश कम होने से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। उधर, पाकिस्तान, बांग्लादेश और फिलिपींस के सामने तूफान और बाढ़ का भयावह खतरा है। एचएसबीसी ने पाकिस्तान की रैंकिंग उन देशों में रखी है जहां क्लाइमेट चेंज के खतरों से निपटने की सबसे कम व्यवस्था है।